भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान

शिमला- 171 001, हि.प्र. (भारत)

ICAR-Central Potato Research Institute

Shimla 171 001, HP. (INDIA)

Telephones: 0177-2625073,2625692, 2624830, 2625182, 2625074, 2621480, 2627279; 2624923

Direct 2623812 Fax: 0177-2624460 Email: nkpcpri@gmail.com ; Website: http://cpri.ernet.in

भारतीय कृषि अनसंधान परिषद्–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में अंतर्राष्ट्रीय प्रषिक्षण कार्यक्रम

भारतीय कृषि अनसंधान परिषद्–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में "आलू प्रजनन में प्रगति व गुणवतायुक्त बीजोत्पादन" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन International Potato Centre (CIP) लिमा पेरू के सौजन्य से भा.कृ.अनु.पं.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में 31 जुलाई, 2017 से 04 अगस्त, 2017 तक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में भूटान तथा नेपाल से छः प्रतिभागी सम्मिलित है। डा. एस. के. चक्रवर्ती, निदेशक भा.कृ.अनु.पं.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला ने प्रतिभागियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वागत किया व "भारत एवं विश्व में आलू की वर्तमान शोध गतिविधियों व भविष्य की जरूरतों" विषय पर चर्चा की तथा बताया कि भारत, नेपाल व भूटान की एक जैसी भौगोलिक परिस्थितियां होने से भारत में विकसित शोध तकनीकी का सीधा लाभ भूटान व नेपाल में लिया जा सकता है तथा तीनों देश मिलकर सहभागिता से भी आलू में शोध कार्य कर सकते है। संभागाध्यक्ष, फसल सुधार संभाग ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए प्रतिभागियों को कार्यक्रम के विभिन्न उदेश्श्यों के बारे में जानकारी दी। CIP (दक्षिण पश्चिम एशिया, नई दिल्ली) के क्षेत्रीय निदेशक, डा. एम. एस. कादयान ने "CIP लिमा पेरू की दक्षिण पश्चिम एशिया" क्षेत्र में आलू में की जाने वाली शोध गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में भा.कृ.अनु.पं.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों जैसे कि "विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के लिए आलू की प्रजातियां व उनका विकास", "भारत में आलू प्रजाति विमोचन प्रणाली", "आण्विक मार्करो के माध्यम से प्रजातियों की पहचान", आलू सुधार के अपरम्परागत साधन", आलू में किस्म व क्षेत्र के अनुकूल स्थिरता", "पौध किस्म सुरक्षा व किसानों के अधिकार", "आलू में डस डिसक्रिप्र्टस", "गुणवतायुक्त बीजोत्पादन व उच्च बीज उत्पादन तकनीकी", "रोग व कीट प्रबंधन तथा वायरस पहचान तकनीकी", "*in-vitro* परिग्रहणों का संरक्षण व प्रबंधन तकनीकी", पर व्याख्यान

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान

शिमला- 171 001, हि.प्र. (भारत)

ICAR-Central Potato Research Institute

Shimla 171 001, HP. (INDIA)

Telephones: 0177-2625073,2625692, 2624830, 2625182, 2625074, 2621480, 2627279; 2624923

Direct 2623812 Fax: 0177-2624460 Email: nkpcpri@gmail.com ; Website: http://cpri.ernet.in

निर्धारित है। साथ ही स्काइप के माध्यम से CIP लिमा पेरू के वैज्ञानिकों द्वारा संकरण तकनीकी की प्रक्रिया व डाटा संग्रह तथा हिडैप सॉफटवेयर से GxE इन्ट्रेक्शन के विश्लेषण का प्रदर्शन दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में व्यावहारिक प्रदर्शन हेतू कुफरी व फागू फार्म का क्षेत्र भ्रमण व एरोपोनिक सुविधा का भ्रमण भी सम्मिलित है। इस कार्यक्रम का समन्वयन निदेशक, भा.कृ.अनु.पं.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला की देख–रेख में डा. एन. के. पाण्डेय, संभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संभाग, डा. विनय भारद्वाज, संभागाध्यक्ष, फसल सुधार संभाग, तथा डा. आर. के. सिंह, संभागाध्यक्ष, बीज तकनीकी संभाग द्वारा किया जा रहा है।

एन. के. पाण्डेय,
संभागाध्यक्ष,
सामाजिक विज्ञान संभाग

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

सूचना का अधिकार